साप्ताहिक
बुलंद गोंदिया
खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | **RNI NO. MAH-HIN-2020/84319**

वर्ष : 5 । अंक : 03 | गोंदिया : गुरुवार, दि. 29 अगस्त से 4 सितंबर 2024 | ■ पृष्ठ : 4 | ■ मूल्य : रु. 5

सुशिक्षित बेरोजगार अभियंता व पंजीकृत ठेकेदारों को नजर अंदाज कर मजदूर सहकारी संस्था ने हथियाए 17 करोड़ 55 लाख रुपए के कार्य-जीआर की उड़ाई धज्जियां, सार्वजनिक बांधकाम विभाग का कारनामा

बुलंद गोंदिया।(नवीन अग्रवाल)- शासन के जी.आर के अनुसार सार्वजनिक बांधकाम विभाग के अंतर्गत किए जाने वाले कार्य शिक्षित बेरोजगार अभियंता, मजदूर सहकारी संस्था वह पंजीकृत ठेकेदारों को खुली टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से दिए जाते हैं, लेकिन गोंदिया के सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्रमांक 2 का नया कारनामा सामने आया है जिसमें नियमों की धज्जियां उड़ाकर 17 करोड़ 55 लाख रुपए का कुशल कार्य सिर्फ मजदूर सहकारी संस्था को दे दिए । जिससे बेरोजगार अभियंता व पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा उक्त मामले में भारी भ्रष्टाचार होने के गंभीर आरोप लगाये जा रहे है। गौरतलब है कि शासन द्वारा व गोंदिया जिले के दुर्गम क्षेत्र के विकास के लिए विभिन्न कार्य मंजूर किए गए है, जिसमें सालेकसा तहसील के अंतर्गत विभिन्न सीमेंट मार्गों का समावेश है जिसमें 12 करोड़ 50 लाख रुपए की निधि शासन द्वारा मंजूर की गई थी ।डिवीजन- 2 में 5 करोड़ 5 लाख रुपए के कार्यो में 30 लाख के 11 काम वह 25 लाख रुपए के 7 और कामों का समावेश है। जिसमें देवरी तहसील, सड़क अर्जुनी तहसील वह सालेकसा तहसील का समावेश है। उपरोक्त कार्यो को शासन के शासन आदेश (जी.आर) के अनुसार तीन हिस्सों में बाटकर कार्य दिया जाना होता है। जिसमें 33ब मजूर सहकारी संस्था, 33ब सुशिक्षित बेरोजगार अभियंता वह 34ब खुली टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से पंजीकृत ठेकेदारों को कार्य वितरण होता है। लेकिन गोंदिया के सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्रमांक- 2 द्वारा हाल ही में 12 करोड 50 लाख रुपए के कार्य को तीन हिस्सों में विभाजित ना कर सिर्फ मजदूर सहकारी संस्था को ही वितरण किया गया है। जिसके चलते सुशिक्षित बेरोजगार अभियंता वह पंजीकृत ठेकेदारों में आक्रोश निर्माण होने के साथ ही इस मामले में अधिकारियों की साठगाठ व एक राजनीतिक दल के बड़े नेता पदाधिकारी को लाभ पहुंचाने लिए इस प्रकार का भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है। तथा इस मामले में सुशिक्षित बेरोजगार अभियंता द्वारा शासन को भी निवेदन देकर जानकारी दी गई है तथा शासन को चेतावनी दी गई है कि यदि इस मामले में उनके साथ अन्याय अन्याय किया गया तो वह न्यायालय की शरण जाकर मामला दर्ज करेंगे। 12ः30 करोड रुपए के 25 काम 1)पांडरवानी मरघट मार्ग दुरुस्ती करने 50 लाख, 2) पांडरवानी से मरामजोब पुल दूरूस्ती करने 50 लाख, 3)भरीटोला से मरामजोब पुल दुरूस्तीकरने 50 लाख,4) मर्सीटोला पंप हाउस दुरुस्त करने 50 लाख ,5)लोहार मरघट (लभानधरनी)मार्ग दुरुस्त करने 50 लाख ,6)सितेपाला से जोशीटोला मार्ग दुरुस्त करने 50 लाख ,7)इसनाटोला से जोशीटोला मार्ग सुधार कार्य 50 लाख 8)ईसनाटोला कालवा की ओर जाने वाला मार्ग बांधकाम 50 लाख,9) बंजारी मुख्य मार्ग 50 लाख, 10)खड़कीटोला से बाकलसर्रा मार्ग निर्माण करने 50 लाख, 11) कोसमतर्रा मरघट मार्ग निर्माण करने 50 लाख ,12)पठानटोला सेजमाकूडो मुख्य रास्ता निर्माण कार्य करने 50 लाख, 13)कचारगढ़ एप्रोच मार्ग निर्माण करने 50 लाख, 14)टोयागोंडी से चांद सूरज पुल दुरुस्त करने 50 लाख,15) मक्काटोला से हेटीटोला मार्ग दुरुस्त करने 50 लाख, 16) कोटरा से शिव मंदिर मार्ग दुरुस्त करने 50 लाख,17) बारकरीटोला से नवाटोला पुल दुरुस्त करने 50 लाख,18) टोयागोंडी एप्रोच मार्ग दुरुस्त करने 50 लाख19) डहाराटोला से बंजारी मार्ग दुरुस्त करने 50 लाख,20) बिजेपार से जाभुरटोला तलाव मार्ग दुरुस्त करने 50 लाख,21) खातिहुडकी (पांडव वाणी) उपसा सिंचाई की ओर जाने वाला मार्ग का सुधार कार्य 50 लाख,22) मरामजोब शिव मंदिर मार्ग सुधार कार्य 50 लाख, 23) रूंगाटोला से कड़ोतीटोला मार्ग सुधार करने 50 लाख, 24)तीरखेड़ी से ढिवर टोला मार्ग सुधार कार्य 50 लाख 25 रामाटोला से कुलरभट्टी मार्ग सुधार का य 50 लाख रुपए का समावेश है। जिसकी निविद गत कुछ दिनों पूर्व प्रकाशित की गई थी।

कुशल कार्य बेरोजगार अभियंता व पंजीकृत ठेकेदारों को

शासन के नियम अनुसार कुशल व अकुशल कार्यों का वर्गीकरण किया गया है जिसमें कुशल कार्य के अंतर्गत पक्के सीमेंट कार्य, कंक्रीट कार्य वह नए बांध काम जैसे कार्य बेरोजगार अभियंता वह पंजीकृत ठेकेदारों को दिए जाते हैं तथा मजदूर सहकारी संस्थाओं को अकुशल कार्य मिट्टी, नाली, मुरूम वह खड़ीकरण जैसे कार्य किए जाते हैं किंतु इस मामले में कुशल कार्य भी मजदुर सहकारी संस्था को दिए गए हैं जिससे इस टेंडर प्रक्रिया पर सवालिया निशान उठ रहे हैं।

कार्यों की गुणवत्ता पर सवालिया निशान

शासन की विकाश निधि को भी जनप्रतिनिधियों द्वारा अपनी विकास निधि बताकर अपने कार्यकर्ताओं को देने के लिए मजदुर सहकारी संस्था के माध्यम से कार्यों का वितरण किया जाता है जिससे कार्यों के गुणवत्ता पर भी सवाल या निशान लग रहा है तथा प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए की शासन की निधि का बंदरबाट होने के साथ ही घटिया कार्य जिले में हो रहे हैं जिससे आम जनता के टैक्स की राशि का जनप्रतिनिधि और नेता वह सत्ता पक्ष द्वारा खुले आम दुरुपयोग किया जा रहा है।

शासन का जी.आर व नियम शासन के नियम और जी.आर के अंतर्गत कोई भी कार्य को तीन श्रेणियां में विभाजित किया गया है जिसमें 33ब सुशिक्षित बेरोजगार अभियंता, 33 प्रतिशत मजदूर सहकारी संस्था वह 34ब खुली टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से पंजीकृत ठेकेदारों को दिया जाता है लेकिन इस टेंडर प्रक्रिया व इस कार्यों में यह नियमों का खुलेआम उल्लंघन किया गया है।

अगली सूची के कार्यों में दिया जाएगा कार्य 17 करोड़ 55 लाख रुपए के कार्यों की प्रक्रिया हो चुकी है। आगामी आने वाले कार्यों की सूची में सुशिक्षित बेरोजगार अभियंताओं को प्राथमिकता देते हुए कार्य दिया जाएगा ।

शालिक राव उसैंडी कार्यकारी अभियंता सार्वजनिक बांधकाम विभाग क्रमांक 2 गोंदिया।

न्यायालय में दाखिल करेंगे याचिका गोंदिया जिले में सार्वजनिक बांधकाम विभाग व जिला परिषद में कार्यों के वितरण में काफी अनियमित की जा रही है तथा सालेकसा तहसील के अंतर्गत 12 करोड 50 लाख रुपए के 25 कार्यों को भी नियमों की अनदेखी कर दिया जा रहा है। इस मामले में शासन को निवेदन दिया जाएगा यदि सुनवाई नहीं हुई तो इस मामले में न्यायालय में याचिका दाखिल करेंगे।

- महेश अग्रवाल कोर समिति सदस्य सुशिक्षित बेरोजगार अभियंता संगठन गोंदिया जिला।

न्यायालय में कार्यकारी अभियंता ने लिखित में मांगी थी माफी गत कुछ वर्षों पूर्व सार्वजनिक बांधकाम विभाग के डिवीजन क्रमांक -1 में भी बेरोजगार अभियंताओं के साथ इस प्रकार का अन्याय किया गया था। जिस पर संगठन ने उच्च न्यायालय में मामला दर्ज किया था। न्यायालय में तत्कालीन कार्यकारी अभियंता सोनाली चौहान ने हालफनामा देकर सार्वजनिक बांधकाम विभाग द्वारा बेरोजगार अभियंताओं के साथ अन्याय न करने का आश्वासन दिया था। लेकिन न्यायालय में हालफनामा देने के बावजूद भी आज भी इसी प्रकार की हरकतें कर न्यायालय की अवमानना की जार ही है। इसके साथ ही जिले के अन्य विभागों में जिसमें नगर परिषद ,जिला परिषद, वन विभाग,एरिगेशन विभाग, कृषि विभाग आदि में भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हुए कार्य कमीशन के चलते वह नेताओं के दबाव में मजदूर सहकारी संस्था वह अन्य ठेकेदारों को टेंडर मैनेज कर काम दिया जा रहा है। 5 करोड 5 लाख रुपए के 18 कार्य सार्वजनिक बांधकाम डिवीजन- 2 में 5 करोड़ रुपए केकार्यों में 30 लाख के 11 काम वह 25 लाख रुपए के 7 और कामों का समावेश है। जिसमें देवरी तहसील, सड़क अर्जुनी तहसील वह सालेकसा तहसील का समावेश है।

बेटियां-छात्र हो रहे शिक्षा से वंचित आदिवासी नागरिकों परेशानी

प्रशासन का गलत नियोजन पर्यायी व्यवस्था न कर पुल को किया बंद यातायात बाधित

बुलंद गोंदिया। (संवाददाता दर्रेकसा) - गोंदिया जिले के अंतर्गत आने वाली सालेकसा तहसील आदिवासी बहुल होने के साथ विकास से कोसों दूर है जिस पर प्रशासन द्वारा आए दिन गलत नियोजन कर क्षेत्र में निवास करने वाले आदिवासी नागरिकों के साथ अन्याय किया जा रहा है। इसी प्रकार का एक मामला जिसमें आमगांव- सालेकसा मार्ग पर बाघ नदी के जर्जर पुल पर बेरिकेट लगाकर बंद किया गया जिसकी पर्याय व्यवस्था नहीं होने से बस यातायात बाधित हो गया जिससे क्षेत्र की बेटियां छात्र शिक्षा से वंचित होने के साथ ही क्षेत्र के नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है व विद्यार्थियों का शिक्षा व जनता का आर्थिक नुकसान हो रहा है। गौरतलब है की गोंदिया जिले की सालेकसा तहसील महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ की सीमा पर स्थित है तथा यह क्षेत्र आदिवासी दुर्गम व नक्सल ग्रस्त होने के चलते हमेशा से ही प्रशासन की उदासीनता इस और दिखाई देती है। जिसमें उपरोक्त क्षेत्र में आज भी अनेक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई है जिसमें रास्ते ,पानी, बिजली आदि का समावेश है। हाल ही में प्रशासन के गलत नियोजन का खामियाजा स्कूली छात्र-छात्राओं को

शैक्षणिक व जनता को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। आमगांव- सालेकसा मार्ग के मध्य में बाघ नदी का पुल पुराना होने से जर्जर अवस्था में पहुंच गया था। बारिश के दौरान पुल गिरने की संभावना निर्माण हो गई थी जिसे देखते हुए बेरिकेट लगाकर भारी वाहनों को बंद किया गया ,किंतु उपरोक्त मार्ग पर राज्य परिवहन मंडल की बसें भी सालेकसा दर्रेकसा, चांदसूरज वह डोंगरगढ़ आवागमन करती है। जिसमें तहसील के इस मार्ग पर पड़ने वाले अनेक ग्रामों के छात्र-छात्रा वह बेटियां शिक्षा के लिए आमगांव सालेकसा आवागमन करते हैं। किन्तु इस गलत नियोजन के चलते 20 अगस्त से परिवहन महामंडल की बस बंद हो गई है जिससे क्षेत्र की जनता यातायात से वंचित हो गई है तथा प्रशासन द्वारा इसके लिए किसी भी प्रकार की पर्यायी मार्ग की व्यवस्था नहीं की गई।

बारिश के पूर्व पुलिया की स्थिति प्रशासन को क्या दिखाई नहीं दी यह प्रश्न भी क्षेत्र के नागरिकों द्वारा किया जा रहा है तथा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि सांसद विधायक भी इस और उदासीन है मात्र चुनाव के समय ही अपनी शकल दिखाते हैं। इस गंभीर समस्या को देखते हुए तथा जिला मुख्यालय के साथ-साथ छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाली इस मुख्य मार्ग को शुरू करने की मांग का पत्र जिला अधिकारी को देकर इस समस्या का निराकरण करने की मांग की जिस परिसर के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक नुकसान व तहसील के सुदूर ग्रामों के नागरिकों को परेशानी ना हो क्योंकि सालेकसा आमगॉव गोंदियापहुंचने का परिवहन महामंडल की बस ही एकमात्र साधन है।

युवक की धारदार हथियार से वार कर जघन्य हत्या

» दो नाबालिक सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर में गत चार महीनो में हत्या की घटनाओं से दहल चुका है, छोटा गोंदिया परिसर में हत्या की तीसरी घटना घटित हुई है। 22 अगस्त की रात 11ः00 से 12ः00 के दौरान पुराने विवाद को लेकर दो नाबालिक सहित तीन आरोपियों ने मिलकर विकास उर्फ विक्की श्रीराम फरकुंडे उम्र 29 वर्ष नामक युवक की धारदार हथियार से गले वह पेट पर वार कर गंभीर रूप से जख्मी किया जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस हत्याकांड में पुलिस द्वारा कुछ ही घंटे में दो नाबालिक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गौरतलब है की गत 8 से 10 माह के दौरान शहर में हत्या की 10 से अधिक घटनाएं घटित हो चुकी है, जिसमें अधिकांश मामले में जो बात निकाल कर सामने आई है उसमे नशा, लव अफेयर,पैसा व जमीन के मामलों का समावेश है। जिसमें अधिकांश मामले में नशा ही मुख्य कारण सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटा गोंदिया परिसर निवासी मृतक विकास उर्फ विक्की श्रीराम फरकुंडे उम्र 29 वर्ष निवासी चीजबन मोहल्ला छोटा गोंदिया को पुराने विवाद के चलते 22 अगस्त की रात 11ः00 से 12ः00 के दौरान आरोपी लक्की सुनील मेश्राम उम्र 18 वर्ष निवासी संजय नगर द्वारा अपने दो नाबालिक साथियों के साथ मिलकर मृतक के गले पर वह पेट पर धारदार हथियार से गंभीर वार किया जिसमें मृतक का गला आधा काटने के साथ ही पेट की अतड़ीया तक बाहर निकल आई थी जिसमें वह गंभीर रूप से जख्मी होकर गिर पड़ा तथा उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस मामले की जानकारी गोंदिया शहर पुलिस को मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचकर इस गंभीर मामले की जानकारी पुलिस अधीक्षक गौरव भामरे को दी जिस पर पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा द्वारा इस हत्याकांड जांच कर आरोपियों की तलाश कर गिरफ्तार करने वह हत्या के प्रकरण का खुलासा करने का निर्देश गोंदिया शहर पुलिस व लोकल क्राइम ब्रांच को दिया। वरिष्ठ अधिकारियों की आदेश अनुसार उप विभागीय पुलिस अधिकारी रोहिणी बानकर के मार्गदर्शन में गोंदिया शहर के पुलिस निरीक्षक किशोर पार्वते के नेतृत्व में अपराध शाखा व स्थानीय क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक दिनेश लबदे के नेतृत्व में लोकल क्राइम ब्रांच के पथक द्वारा मामले की जांच शुरू की।

गोपनीय जानकारी के आधार पर आरोपियों की तलाश कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया उपरोक्त मामले में मृतक के पिता फरियादी श्री राम बुधराम फरकुंडे उम्र 60 वर्ष की शिकायत पर शहर पुलिस थाने गोंदिया में अपराध क्रमांक 521/ 2024 धारा 103 (1) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की। इस हत्याकांड की जांच में वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशानुसार उप विभागीय पुलिस अधिकारी रोहिणी बानकर मार्गदर्शन में किशोर पर्वते पुलिस निरीक्षक गोंदिया शहर के नेतृत्व में अपराध शाखा तथा लोकल क्राइम ब्रांच के दिनेश लबदे के नेतृत्व में पथक के पो.हवा. राजू मिश्रा, महेश मेहर, सोमेंद्र तुरकर, इंद्रजित बिसेन, सुबोध बिसेन, छगन विठ्ठले, अजय रहांगडाले, चापोशि मुरली पांडे, घनश्याम कुंभलवार, खंदारे द्वारा की गई।

पद्म पुरस्कार 2025 के लिए 15 सितंबर तक करें नामांकन

बुलंद गोंदिया। हर साल गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों की घोषणा की जाती है। इसी प्रथा को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस साल पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन जमा करने की अपील की है। इसके लिए प्रक्रिया 1 मई 2024 से शुरू हो चुकी है और नामांकन जमा करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर 2024 है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल (https://awards.gov.in) पर ऑनलाइन जमा किए जाएंगे। पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार हैं और कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक सेवा, सिविल सेवा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिए जाते हैं। वाणिज्य, उद्योग. प्रत्येक भारतीय नागरिक, जाति, व्यवसाय, वर्ग या लिंग के अपवाद के बिना, इन पुरस्कारों के लिए पात्र है। सरकार सभी नागरिकों से खुद को नामांकित करने और अन्य उपयुक्त व्यक्तियों की सिफारिशें प्रस्तुत करने का आह्वान कर रही है। विशेष रूप से महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति, दिव्यांगों और निस्वार्थ सेवा करने वाले व्यक्तियों से ठोस प्रयास करने का आह्वान किया गया है। गृह मंत्रालय ने अपने समाचार पत्र में कहा कि नामांकन जमा करते समय 800 शब्दों तक के विवरण में व्यक्ति के उत्कृष्ट कार्य की जानकारी का उल्लेख करना होगा। इसके संबंध में अधिक जानकारी गृह मंत्रालय की वेबसाइट (https://mha.gov.in) और पद्म पुरस्कारों के पोर्टल (https://padmaawards.gov.in) पर उपलब्ध है।

शहर एवं ग्रामीण की होगी अब अलग-अलग रजिस्ट्री दुय्यम निबंधक कार्यालय का विभाजन

बुलंद गोंदिया। महाराष्ट्र शासन राजस्व एवं वन मंत्रालय द्वारा 26 अगस्त को जारी किए गए आदेश के अनुसार गोंदिया शहर के दुय्यम निबंधक कार्यालय का विभाजन कर शहरी व ग्रामीण ऐसे दो अलग-अलग कार्यालय शुरू करने की मंजूरी प्रदान की जिससे अब शहर व ग्रामीण क्षेत्र की भूमि संबंधित रजिस्ट्री वह कार्य अलग-अलग कार्यालय में होंगे। गौरतलब है की राजस्व वन विभाग मंत्रालय द्वारा 26 अगस्त को जारी किए गए पत्र के अनुसार गोंदिया जिला यह नक्सलग्रस्त व आदिवासी बहुल जिला होने तथा क्षेत्र के नागरिकों को भूमि संबंधित मालमत्ता खरीदी का व्यवहार जल्द से जल्द से हो इसके दुय्यम निबंधक कार्यालय (रजिस्टार ऑफिस) का विभाजन कर गोंदिया शहर व गोंदिया ग्रामीण ऐसे दो अलग-अलग कार्यालय शुरू करने की विशेष रूप से शासन द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। उपरोक्त मान्यता के अनुसार प्रशासन द्वारा जल्द ही इसकी अधिसूचना प्रकाशित कर जगह उपलब्ध कराने वह कार्यालय के लिए लगने वाले खर्च वह पद निर्माण की वित्त विभाग द्वारा मान्यता देने पर इसकी जानकारी आगामी पत्र के माध्यम से दी जाएगी। इस प्रकार का पत्र कार्य आसान अधिकारी प्राची सुभाष पालव द्वारा 26 अगस्त को जारी किया गया।

संपादकिय...

यहां कानून साहसी नहीं

मुख्य संसदीय सचिव शहरी विकास एवं शिक्षा आशीष बुटेल में सियासी दम है कि वह अपने विभाग के ही प्रस्ताव को कूड़े की टोकरी में तब तक सुला सकते हैं, जब तक राजनीति ऐसे गढ़े मुर्दों को बाहर न निकाले। अभी दो दिन पहले के प्रस्ताव ने जन्म भी नहीं लिया कि पालमपुर के विधायक को अपने ही विभाग पर शक हो गया। विभाग पालमपुर नगर निगम की अगली सदी को सुनिश्चित करते हुए 76 राजस्व गांवों को नगर एवं ग्राम योजना कानून के तहत लाने की रूपरेखा बनाने लगा था। यह माननीय विधायक का वादा है कि उनकी सरहद में उन्हीं के विभाग का ऐसा प्रस्ताव पर नहीं मार सकता। यह इसलिए कि जनता योजना से डरती है, अपने विस्तार और विकास से नहीं। क्योंकि जनता रूठ न जाए, इसलिए कानून बनाने वाले भी इनके कार्यान्वयन से डरते हैं। शहरी विकास है क्या, अगर इस मानसिकता को पढ़ा जाए, तो हिमाचल का हर गांव अब एक शहर है। गांव की शहर बनने की अभिलाषा में पूरा हिमाचल धड़ाधड़ निर्माण कर रहा है। हर सडक़ पर निर्माण की प्रतिस्पर्धा ने छीन लिए प्रकृति के पैगाम-प्रकृति के आयाम, घाटियां लील कर हम चबूतरे हो गए, लेकिन छत से टकराती छत को सुकून का आशियाना न मिला। अगर नवनिर्माण के औचित्य में इनसानी जरूरतों का विश्लेषण किया जाए, तो मालूम होगा कि हम प्राकृतिक संसाधनों के प्रति कितने लापरवाह हैं। हम प्रदेश को अस्त-व्यस्त देखना चाहते हैं, इसलिए हमारी औकात ही नहीं कि नगर नियोजन को समझा जाए। हम शहर में रेंगना चाहते हैं, गांव में भौकाल को जगाना चाहते हैं। जाहिर है 76 राजस्व गांवों के पंचायत चुनाव बुटेल जी की सियासत में माथापच्ची बढ़ा दें या वह अनुमति दे भी दें, तो विपक्ष के हारे हुए प्रत्याशी को सहानुभूति दर्शाने का यही सुराग मिल जाए। उनके लिए पर्यटक गांव बसाना आसान हो सकता है, इसलिए कृषि विश्वविद्यालय से वह 120 हेक्टेयर जमीन ले सकते हैं। हमारे विकास के रथ अब ऐसे घोड़ों पर सवार हैं जो घास नहीं, घोषणा खाते हैं। लिहाजा कानून से बड़ी घोषणा होनी चाहिए। सरकार कोई भी हो, कानून कभी बड़ा नहीं होता है, होती है तो घोषणा ही महान। इसलिए 76 गांवों का भविष्य टीसीपी कानून तय नहीं कर पाएगा, लेकिन इसके दायरे को निरस्त करने की घोषणा सहज स्वीकृत हो जाएगी। कुछ ऐसी ही घोषणाएं कानून के पर्दे हटाने के लिए काफी हैं। हम घोषणाओं में सफर करने का समाज बन चुके हैं। हम वर्षों से वन महोत्सव मना रहे हैं, लेकिन बरसात के बाद वसंत को मालूम नहीं कि बहार आई किन पौधों पर। हम पार्किंग सुविधाओं की घोषणाओं पर पालमपुर को मुकर्रर करते हैं, लेकिन वाहनों के कीड़े सडक़ों पर डटे हैं। यहां कानून साहसी नहीं, बल्कि उसके सामने निडर होकर खड़े रहने वाला साहसी है। अगर ऐसा न होता तो पहाड़ यूं ही कटते नहीं, खड्डें रेत को तरसती नहीं और घर की नींव तक पहुंचे माफिया के सामने हम बिकते नहीं।

शिक्षा के व्यापार में गुम होते आदर्श शिक्षक - राष्ट्रीय शिक्षक दिवस विशेष 05 सितंबर 2024

सिर्फ शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जिसके द्वारा हम दुनिया में कोई भी सर्वोच्च पद प्राप्त कर सकते है और बेहतर शिक्षा, संस्कार, कला-गुणों का संचार विद्यार्थी में आदर्श शिक्षक ही कर सकते है। जीवन में शिक्षक का स्थान माता-पिता तुल्य होता है, क्योंकि शिक्षक ही विद्यार्थियों को जीवन में योग्य मार्गदर्शन देकर सफलता के प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए काबिल बनाते है। जीवन में गुरु बिना ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता। शिक्षक गुणों की खान होते है, शिक्षक ज्ञानी, विशेषज्ञ, मृदुभाषी, दूरदृष्टि, सहनशील, उत्तम श्रोता-वक्ता, समझदार, प्रोत्साहन कर्ता, अनुसंधानकर्ता, जिज्ञासा वृत्ति, परोपकारी, सत्य, निष्ठा, त्यागी, सदाचारी, धैर्यवान, निर्व्यसनी होते है। शिक्षक अपने सभी विद्यार्थियों को एक स्तर से देखते है, कभी कोई भेदभाव नहीं करते। शिक्षक शिल्पकार की भूमिका में होते है जो अपने विद्यार्थियों को कलागुणों से निखारकर आदर्श विद्यार्थी में तब्दील करते है। हमारे देश में महान शिक्षक समाज सुधारकों के रूप में हमें मिले है।

क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले एवं उनकी पत्नी क्रांतिज्योती सावित्रीमाई फुले जिन्होंने भारत देश में सर्वप्रथम स्त्री शिक्षा की ज्योत जलाने के लिए समाज की घृणा सहन करके लड़कियों के लिए पहली स्कूल स्थापित की। ज्योतिबाजी ने अपनी पत्नी को पढ़ाकर-लिखाकर एक आदर्श शिक्षिका बनाकर एक इतिहास बनाया और फिर दोनों ने मिलकर शिक्षा के मोल को समझकर समाज में नई क्रांति की शुरुआत की। लोगों के ताने, गालियाँ, फब्तियां, तिरस्कार सहते थे, उनपर लोग पत्थर, कीचड़, गोबर फेकते थे। पूरा समाज उनके विरुद्ध होकर भी फुले दंपत्ति निस्वार्थ भाव से अपना सब कुछ त्याग कर शिक्षा की लौ जलाते रहे। एक पल के लिए अगर हम उनके संघर्ष के दिनों की कल्पना भी करे तो हमारी रूह कांप जाती है, ऐसा असहनीय दर्द भरा संघर्ष उन्होंने शिक्षित समाज की नींव रखने के लिए सहा।

धीरे-धीरे अनेक महान समाज सुधारकों ने शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए संस्थानों की स्थापना की। इन शिक्षा संस्थानों का केवल एक ही उद्देश्य था कि सबको बिना किसी भेदभाव या ऊंच-नीच के एक समान शिक्षा का अधिकार मिल सकें। आज हम आधुनिक युग में शिक्षा का स्तर देखते है तो, इसका स्वरूप पिछले कुछ दशकों के मुकाबले बिलकुल विपरीत नजर आता है। बच्चों के शिक्षा के प्राथमिक स्तर अर्थात नर्सरी से लेकर पीएचडी तक शिक्षा एक पैकेज के रूप में पैसे के हिसाब से मिलता है, इसमें पुस्तकें, यूनिफार्म, कोचिंग, स्टेशनरी हर चीज पहले से तय होती है। शिक्षा के बाजार में प्रतियोगिताएं भी खूब चलती है। कुछ महंगे शिक्षा संस्थान तो फाइव स्टार होटल जैसा अत्याधुनिक सेवा-सुविधाओं वाला पैकेज भी विद्यार्थियों को प्रदान करते है। शिक्षा के क्षेत्र में अब दिखावे को सबसे अधिक महत्व दिया जाता है।

सरकारी और निजी ऐसे दो प्रकार के शिक्षा संस्थान हमारे देश में है। सरकारी संस्थान में शिक्षकों का वेतन बेहतर होने के कारण वहां के शिक्षकों की आर्थिक स्थिती समाधानकारक होती है। देश में केंद्र सरकार के आईआईटी, आईआईएम, विश्वविद्यालय, केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, आर्मी पब्लिक स्कूल जैसे संस्थान अपने बेहतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जाने जाते है, परंतु अन्य संस्थानों में बहुत बुरी स्थिति में शिक्षा प्रणाली नजर आती है। अनेक प्रवेश परीक्षाओं, शिक्षक भर्ती में फर्जीवाड़ा नजर आता है। बड़े-बड़े वेतनभोगी शिक्षकों को अपने विषय का ज्ञान नहीं होता। बहुत से राज्यों की सरकारी शिक्षा संस्थान कबाड़ की दुकान नजर आती है, विशेष रूप से पिछड़े क्षेत्रों में। नकली पदवी के लिए भी रैकेट सक्रिय है। शिक्षा विभाग में बहुत सी गंभीर समस्याओं की बातें तो जानते है, लेकिन कोई भी खुलकर विरोध नहीं करता है। आज शिक्षक भी व्यभिचार, भ्रष्टाचार, भेदभाव, नशाखोरी करता हुआ दिखता है।

प्रसिद्ध निजी शिक्षण संस्थान जो आर्थिक रूप से मजबूत है, वे शिक्षा की गुणवत्ता बनाये रखने और बेहतर सुविधा विद्यार्थियों को प्रदान करने का प्रयत्न करते नजर आते है, लेकिन छोटे निजी संस्थान में नियमानुसार योग्यतापूर्ण शिक्षक की भर्ती केवल नाम के लिए होती है, क्योंकि अत्यल्प वेतन पर शिक्षक को नौकरी पर रखना उस शिक्षक से धोखा है, इसलिए ऐसे संस्थानों में हर साल अयोग्य नये शिक्षक आते-जाते है। इस कालावधि में विद्यार्थियों का बहुत नुकसान होता है, शिक्षक भी अपने छोटे-से वेतन के हिसाब से कामचलाऊ शिक्षा प्रदान करते है। ऐसे शिक्षक और विद्यार्थी दोनों विकसित समाज के लिए रुकावट का काम करते है। आजकल देश में गिरते शिक्षा के स्तर के लिए ऐसी शिक्षा प्रणाली जिम्मेदार है।

शिक्षा में अनेक कलंकित करने वाली घटनाएं नित्य घटित होती है, 15 अगस्त 2024 को नागपुर (महाराष्ट्र) के दैनिक हिंदी समाचार पत्र के प्रथम पृष्ठ पर राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में 92 प्रोफेसर पद भर्ती के लिए 30 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने की खबर प्रकाशित हुयी थी, अर्थात हर एक पद के लिए 50-80 लाख रूपये के आसपास। 20 अगस्त 2024 को एक ओर समाचार पत्र में भी छत्रपति संभाजी नगर (महाराष्ट्र) के एक महाविद्यालय के प्रोफेसर जिनका वेतन पौने तीन लाख रूपये महीना है, उन्होंने अपने एक पीएचडी के विद्यार्थी से 5 लाख रुपये रिश्वत में लेने का तय किया और इसकी पहली किस्त 50 हजार रूपये लेते हुए एंटी करेप्शन ब्यूरो द्वारा प्रोफेसर पकडी गयी, यह खबर प्रकाशित हुयी थी। ऐसी खबरें अक्सर ही पढ़ने-सुनने को मिलती है, इस क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी वर्ग इस हकीकत को काफी अच्छे से जानते है। लेकिन इसकी भयावहता का शिकार केवल गरीब और योग्य उच्च शिक्षित उम्मीदवार होता है क्योंकि वह रिश्वत नहीं दे सकता, इसलिए नौकरी प्राप्त कर पाना कठिन होता है। बहुत बार इस समस्या के बारे में कुलगुरु, सत्ताधारी नेता, मंत्री महोदय को अवगत कराया गया लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं मिला। गलत मार्ग से शिक्षक जैसे पवित्र पद प्राप्त करने वाले क्या सच में अपने पद की गरिमा, न्याय, निष्ठा बनाकर आदर्श शिक्षक बन पाएंगे? हमारे देश में 20 सालों से भी अधिक समय से योग्य उम्मीदवार यूजीसी-नेट, सेट, स्लेट जैसी असिस्टेंट प्रोफेसर पद हेतु योग्यता परीक्षा पास करके, एमफिल, पीएचडी पदवी प्राप्त करके, अपने जीवन के अनेक वर्ष, पैसा, उम्र इस उच्च शिक्षा को प्राप्त करने में खर्च करके भी उन्हें योग्यतानुसार नौकरी नहीं मिली इसलिए उनकी जिंदगी तबाह हो चुकी है। महाराष्ट्र राज्य में सरकारी सहायता प्राप्त (ग्रांटेड) कॉलेजों में प्रोफेसर पदों या नौकर भर्ती की जिम्मेदारी कॉलेज को दी गयी है, वेतन सरकार करता है लेकिन पद भर्ती कॉलेज करता है। अधिकतर शिक्षा संस्थान में अनुबंध पर शिक्षकों को दिहाड़ी मजदूर से भी कम वेतन प्राप्त होता है। इस महंगाई में जीवन जीना बहुत मुश्किल हो जाता है, इसलिए बहुत बार हताश होकर ऐसे शिक्षक आत्महत्या भी करते है।

बालासाहेब ठाकरे दवाख़ाना व 12 शहरी आरोग्य वर्धिनी केंद्रों पर जाकर जिले नागरिक स्वास्थ्य सेवाओं का ले लाभ -एम.मुरुगनाथम, मुख्य कार्यकारी अधिकारी

बुलंद गोंदिया। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी एम. मुरुगनाथम ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे 4 हिंदूहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आप दवाखाना और 12 नागरी आरोग्य वर्धिनी केंद्र में संचालित स्वास्थ्य संस्थानों में मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएं। तिरोड़ा तहसील के चिकित्सा अधिकारी ने आपला दवाखाना जाकिर वार्ड और नागरी आरोग्य वर्धिनी केंद्र अशोक वार्ड दोनों का दौरा किया और स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया और आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर शहर के लोगों, गरीबों और झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों और कार्यरत कर्मचारियों को दिया गया।

महाराष्ट्र राज्य की 50त्न से अधिक जनसंख्या शहरी क्षेत्रों में रहती है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन वानखेड़े ने बताया है कि शहरी क्षेत्रों, गरीबों एवं स्लम क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए 15वें वित्त आयोग के तहत सार्वजनिक

स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत नागरी आरोग्य वर्धिनी केंद्र की स्थापना की गई है।

घनी आबादी वाले क्षेत्रों और स्लम क्षेत्रों से शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की लंबी दूरी के कारण, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के अनुचित कार्य समय के कारण, कुछ स्लम और स्लम जैसे क्षेत्र स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित थे, साथ ही राज्य में अस्पताल भी सुसज्जित हैं उन्हें स्मार्ट, सुसंगत, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य बनाने के लिए उन्नत तकनीक के साथ सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार ने बताया कि विभिन्न बीमारियों की व्यापकता की निगरानी और नियंत्रण के लिए हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आप दवाखाना卐 के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।, साथ ही वाघमारे ने सुलभ और सस्ती विश्व स्तरीय गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करके पूरे समाज के स्वास्थ्य सूचकांक को बढ़ाया है।

गोंदिया जिले में 12 नागरी आरोग्य वर्धिनी केंद्र स्थान

1)गोविंदपुर/शास्त्रीवार्ड.2) मरारटोली.3)रामनगर.4) कस्तूरबा वार्ड.5) बाजपेयी चौक.6) गणेश नगर7)पाल चौक8) बुद्ध विहार के पास, चिचगढ़ रोड, देवरी

9) दुर्गा चौक, मेन रोड, गोरेगांव10) नगर पंचायत के पास, सड़क अर्जुनी रोड, सड़क अर्जुनी11) वन विभाग कार्यालय के पास, दरेकसा रोड,सालेकसा 12)अशोक वार्ड, तिरोड़ा

जिले में हिन्दूहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे आपला दवाखाना

1) गोंदिया शहर - आपला क्लिनिक छोटा गोंदिया, गोंदिया 2) तिरोड़ा शहर - आपला दवाखाना जाकिर वार्ड, तिरोड़ा 3) आमगांव -आपला दवाखाना कामगार चौक, वार्ड नंबर 2, लांजी रोड, आमगांव।4) अर्जुनी मोरगांव-आपला दवाखाना मोरगांव वार्ड नंबर 5, हनुमान मंदिर के पास, अर्जुनी मोरगांव.

हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे अप्पा दवाखाना और नागरी आरोग्य वर्धिनी केंद्र निम्नलिखित स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

1) बाह्य रोगी सेवाएँ (समय दोपहर 2.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक2) मुफ़्त दवा3) निःशुल्क निरीक्षण4) टेली परामर्श5) गर्भवती माताओं की जांच

6) टीकाकरणसाथ ही उपरोक्त सेवाओं के अतिरिक्त इस केन्द्र में निम्नलिखित सेवाएँ भी प्रदान की जायेंगी

1) महीने में एक निश्चित दिन पर आंखों की जांच2) बाह्य प्रणाली के माध्यम से (एचएल-एल कंपनी के माध्यम से) रक्त परीक्षण की सुविधा।

3) मानसिक स्वास्थ्य के लिए परामर्श सेवाएँ4) आवश्यकतानुसार विशेषज्ञ रेफरल सेवाएँ

भविष्य में, बाह्य रोगी विभाग में निम्नलिखित विशेषज्ञ रेफरल सेवाएं दोनों केंद्रों के रोगियों को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार निम्नलिखित चैनलों के माध्यम से प्रदान की जाएंगी।1)भिषक (चिकित्सक)2) स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं प्रसूति विशेषज्ञ3) बाल रोग विशेषज्ञ4) नेत्र रोग विशेषज्ञ5) त्वचा विशेषज्ञ6) मनोचिकित्सक7) नाक कान गला विशेषज्ञ उक्त विशेषज्ञ सेवाएँ सायं 5.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक उपलब्ध करायी जायेंगी। ताकि झुग्गी-झोपड़ी और खेतिहर मजदूरों को काम से लौटने के बाद इस सेवा का लाभ मिल सके।दोनों केंद्रों में चिकित्सा अधिकारी, स्टाफ नर्स, बहुउद्देश्यीय स्टाफ, परिचारक/गार्ड और सफाई स्टाफ की जनशक्ति है।

नन्हीं कड़ी में.... दिन विशेष

(जनमाष्टमी के उपलक्ष में कविता....)

श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी...

भोली सूरत श्यामल काया,
रास रचयिता, मुरली बजाने वाले।
गोपियों के संग पग थिरकते,
कान्हा मेरे गौमाता को चराने वाले।

कभी बृज में मटकी फोड़ कर करते रहते माखन की चोरी।
कभी यशोदा के मुख पर,
अपनी लीलाओं से मुस्कान भरी।

राधा संग अठखेलियों से,
बृज की गलियों में छाए।
प्रेम-प्रीत के रंग में रंगकर,
भक्तों में राधे-कृष्णा कहलाए।

कुरुक्षेत्र में सखा अर्जुन को,
कर्तव्य का बोध कराया।
धर्म का मार्ग दिखाकर,
उनको गीता का ज्ञान पढ़ाया।

हर युग में और हर काल में,
कृष्ण ने धर्म का दीप जलाया।
कर्म की महिमा बताकर,
भक्ति का मार्ग दिखाया।

तुम हो नंदलाला,तुम ही गोपाला,
तुमने ही सजाई ये दुनिया सारी।
श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी,
तुम हर लो हमारे जीवन की पीड़ा सारी।

तमन्ना के दिल में बसे हो तुम,
हे वासुदेव, हे जग के आधार।
तुम से ही मेरे जीवन का सार,
हे कन्हैया ! तुम्हारी लीला है अपरंपार.....

श्रीकृष्ण भगवान की जय.

तमन्ना मतलानी
गोंदिया महाराष्ट्र

पुलिस मुख्यालय में जनजागृति कार्यक्रम

गोंदिया-पुलिस मुख्यालय कारंजा में जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया. उसमें प्रमुख रूप से पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, नंदिनी चानपुरकर व सभी कर्मी उपस्थित थे. प्रमुख अतिथि के रूप में डा. जितेंद्र गुप्ता, डा. लक्ष्मी गुप्ता, अपुर्व गुप्ता, आयुष क्रिटीकल केअर एंड मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल व शिशुपाल ठाकुर उपस्थित थे. उन्होंने हॉर्ट अटैक या कार्डीयाक अरेस्ट स्थिति में first aid कैसे करना है, यह बताया. जिसमें सभी स्टॉफ को प्रत्येक्षित रूप से सिखाया गया है. जिसमें 150 से 200 स्टॉफ उपस्थित थे.

निराधार लाभार्थी अनुदान से वंचित

तिरोड़ा-शासन की ओर से श्रावण बाल योजना, अपंग, संजय गांधी निराधार व अन्य लाभार्थियो को बैंक की अनदेखी के कारण दो-तीन महीनों के बाद ही अनुदान मिल पाता है. जानकारी के अनुसार तहसीलदार द्वारा 6 अगस्त को निराधार लाभार्थियों का 2 महीने का अनुदान की सुची भारतीय स्टेट बैंक तिरोड़ा में दी गई. बैंक ने कुछ लाभार्थियों के खाते में अनुदान हस्तांतरित किया व आयडीबीआय बैंक मुंडीकोटा के खाताधारकों में खाते में अनुदान हस्तांतरण नहीं किया. 20 दिन की कालावधि हो जाने के बाद भी लाभार्थियों को अनुदान के लिए राख देखनी पड़ रही है.

इस संबध में हो रही अनियमितता, अनुदान देने में हो रहा विलंब के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया तिरोड़ा के व्यवस्थापक के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिलाधीश, नोडल अधिकारी आरबीआय नागपुर, जोनल कार्यालय नागपुर को विनोद बोरकर ने शिकायत की है.

तिरोड़ा तहसील कार्यालय के निराधार विभाग के लिपीक पडोले से पुछने पर बताया कि निराधारों की सुची स्टेट बैंक में भेज दी गई है. स्टेट बैंक जिम्मेदारी है कि लाभार्थियों के खाते में राशि जमा करना, इसमें विभाग की ओर से किसी भी प्रकार की त्रुटी नही है. वहीं निराधार लाभार्थी अनुदान के इंतजार में जीवनयापन कर रहे है.

कृष्ण अवतारी श्रीरामदेव बाबा जन्मोत्सव ध्वज यात्रा 4 सितंबर बुधवार को

बुलंद गोंदिया। भगवान श्री कृष्ण के अवतारी श्रीरामदेव बाबा का भादवा सुदी दूज के अवसर पर प्रतिवर्ष जन्मोत्सव का महोत्सव धूमधाम से आयोजित किया जाता है। जन्मोत्सव के पर्व पर इस वर्ष बुधवार 04 सितंबर को दोपहर3ः00 बजे श्री अग्रसेन भवन से बाबा रामदेव की ध्वजा यात्रा आयोजित की गई है। ध्वज यात्रा श्री अग्रसेन भवन से शुभारंभ होकर संपूर्ण शहर का भ्रमण करेंगी – जिसमें साई मेडिकल स्टोर- शंकर गली- बाजार चौक- प्राचीन श्रीरामदेव बाबा मंदिर सब्जी मंडी – चना लाइन – चांदनी चौक- दुर्गा चौक – गोरेलाल चौक – गांधी प्रतिमा – मोदी पेट्रोल पंप गुरुनानक वार्ड – स्टेट बैंक कॉलोनी से होते हुए गणेश नगर स्थित श्री रानी सती मंदिर में ढोल नगाड़ो व बाबा के जयकारों के साथ पहुंचेंगी। इसके पूर्व दोपहर 3ः00 बजे श्री अग्रसेन भवन में बाबा की आरती वह पूजन करने के पश्चात भव्य ध्वज यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा।

भजन संध्या का आयोजन

श्री रामदेव बाबा ध्वज यात्रा के श्री रानी सती मंदिर श्रीरामदेव बाबा दरबार गणेश नगर में शाम 7.00 बजे पहुंचने के पश्चात बाबा के भजनों के प्रसिद्ध बाल गायक हार्दिक व्यास राजनांदगॉव द्वारा अपने सुमधुर स्वरों में बाबा की गाथा से उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति रस में आनंदित करेंगे।

श्रीरामदेव बाबा दरबार पाल चौक में 10 दिनों तक बाबा के जन्मोत्सव का आयोजन

श्रीरामदेव बाबा दरबार पाल चौक में श्रीरामदेव बाबा जन्मोत्सव का 10 दिनों तक आयोजन भादो मास की दूज से दशमी तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम बापजी महेश जी बंग के आशीर्वाद से संपन्न होंगे। श्रीरामदेव बाबा जन्मोत्सव के अवसर पर ध्वज यात्रा का आयोजन श्री रामदेव भक्त संगम परिवार गोंदिया द्वारा तीसरे वर्ष में आयोजित किया गया है।

आयोजित ध्वज यात्रा में अधिक से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने लिए श्री रामदेव भक्त संगम परिवार गोंदिया ने आवाहन किया है। श्रद्धालुओं को ध्वज यात्रा में ध्वज उठाने हेतु संदीप लोहिया 9422132125, अजय चोपड़ा 7020954232, अंकीत तिवारी 9860301849, अर्चना शर्मा 8830580548,श्रीराम लैकरिया 9588487760, सौरभ अग्रवाल 9823111615,सुभाष थरड 9326718191 नवीन अग्रवाल 9405244668 से संपर्क करे।

पैगंबर हजरत मोहम्मद पर विवादित बयान से आक्रोशित हजारों मुस्लिम बंधु उतरे सड़कों पर रामगिरी महाराज की तत्काल गिरफ्तारी को लेकर, शहर पुलिस को दिया निवेदन

बुलंद गोंदिया । इस्लाम के आखरी पैगंबर एवं पूरी दुनिया में शांति व अमन के संदेश के लिए सच्चे उद्धारक हजरत मोहम्मद साहब के जीवन चरित्र पर उंगली उठाकर विवादित बयान देने तथा मुस्लिम समाज की आस्था को ठेस पहुँचाने वाले रामगिरि महाराज की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर जुमे की नमाज के बाद हजारों मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकत्रित होकर आक्रोश व्यक्त किया और शहर का भ्रमण कर शहर थाने में निवेदन देकर तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

मुस्लिम जमात गोंदिया के आव्हान पर हजारों मुस्लिम बंधु आजाद लाइब्रेरी परिसर पर इकट्ठा हुए। यहां से रामगिरि महाराज के विरुद्ध हाथों में तख्ती, फलक लेकर तथा गिरफ्तारी की मांग को लेकर आवाज बुलंद कर नारे लगाते हुए मुस्लिम भाइयों ने शहर के खोजा मस्जिद, श्री टॉकीज चौक, मुख्य बाजार मेन लाइन, गोरेलाल चौक, दुर्गाचौक, इसरका मार्केट, चांदनी चौक, नगर परिषद रोड, गांधी प्रतिमा, प्रभात टॉकीज, जयस्तंभ चौक, आंबेडकर चौक, नेहरू चौक, गोरेलाल चौक से पुलिस थाने में जाकर एक निवेदन शहर थानेदार को सौंपकर विरोध प्रकट किया व कथित रामगिरि महाराज को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की।

मुस्लिम समुदाय का कहना है कि, कथित रामगिरि महाराज ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के बिना जीवन चरित्र को जाने उनपर अपशब्द कहे, उनके चरित्र पर उंगली उठाई है। हम अपने पैंगबर की गुस्ताखी कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। रामगिरि महाराज जैसे लोग इस कौमी एकता के देश में जहर घोलकर समूहों के बीच दुश्मनी व नफरती बीज बो रहे है। वे देश की शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर समाज में उन्माद पैदा कर रहे है।

मुस्लिम समुदाय ने कहा, हम डॉ. बाबा साहब आंबेडकर के संविधान पर चलने वाले लोग है। हम देश के न्यायव्यवस्था पर अमल करने वाले लोग है। ऐसे लोग उन्मादी जहर का प्रचार कर समाज को भड़काने का प्रयास कर रहे है जिनकी तत्काल गिरफ्तारी सरकार के माध्यम से होनी चाहिए।

बता दें कि नासिक जिले में सिन्नर तहसील के शाह पंचाले गांव में एक धार्मिक आयोजन के दौरान रामगिरी महाराज ने कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की थी. इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. जिसके बाद मुस्लिम समुदाय ने आक्रोशित होकर रामगिरी महाराज को गिरफ्तार करने की आवाज़ उठाई।

निवेदन देने वालों में मुस्लिम जमात गोंदिया के बैनर तले सभी मस्जिदों के इमाम, सदर, अनेकों मुस्लिम संगठनों के पदाधिकारी व हजारों मुस्लिम बंधुओं की उपस्थिति रही।

देवरी वन क्षेत्र में फांसे लगाकर शिकार करने वाला गिरफ्तार

गोंदिया–वन परिक्षेत्र कार्यालय दक्षिण देवरी के कर्मचारी डब्ल्यूटीआई के वन्यजीव अपराध नियंत्रण विभाग के कर्मचारियों के साथ कोसबी उपक्षेत्र के संरक्षित वन कक्ष क्र. 603 के वन व खेत परिसर में गश्त कर रहे थे. इसी बीच वहां खेत में वन्यजीव के शिकार के उद्देश्य से तार के फांसे झोपड़ी में रखे हुए दिखाई दिए. तब वन अधकारियों ने कोसबी निवासी आरोपी बारसाय हगरू कोटेंगा (50) के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया. उसे न्यायालय देवरी के समक्ष पेश किया गया. न्यायालय ने उक्त मामले में आरोपी को जमानत दे दी है. वन अधिकारियों ने आरोपी के पास से तार के फांसे जब्त किए. यह कार्रवाई उपवन संरक्षक प्रमोदकुमार पंचभाई के मार्गदर्शन व सहायक वनसंरक्षक योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण देवरी बंडू नानाजी चिडे, क्षेत्र सहायक एच.एस. गोस्वामी, डी.एच. बिसेन, वनरक्षक बी.टी. रहांगडाले, आर.आर. भीवगडे, बी.एस. खुडशाम, के.झेड. बिजेवार, आर.जी. थोरले, कृणाल मुलतानी ने की.

गोंदिया शहर के उड़ान पुल पर भारी वाहन खराब घंटो यातायात बाधित लगा जाम

बुलंद गोंदिया। गोंदिया शहर को दो हिस्सों में जोड़ने वाले एकमात्र उड़ान पुल पर भारी वहां वाहन हो जाने से सोमवार 26 अगस्त की दोपहर 1.45 से भारी जाम लग गया जिसे दोनों और वाहनों की लंबी-लंबी कतारे लग गई तथा नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर के मध्य से मुंबई हावड़ा रेलवे लाइन गुजरती है जिससे शहर दो भागों में विभाजित है जिसके यातायात के लिए जोड़ने के लिए दो उड़ान पुल थे ,लेकिन पुराने उड़ान पुल का निर्माण कार्य धीमी गति से शुरू रहने के चलते एक मात्र नए उड़ान पुल से ही यातायात चल रहा है।

जिसमें आए दिन भारी वाहनों के खराब हो जाने के चलते जाम लग जाने के चलते यातायात बाधित हो रहा है। बारिश के दौरान अंडरग्राउंड से यातायात वैसे ही बंद हो जाता है तथा भारी वाहन वाहन से नहीं निकाल सकते।] सोमवार 26 अगस्त की दोपहर 1ः45 बजे के दौरान उड़ान पुल पर अलग-अलग स्थान पर तीन भारी वाहन अचानक कुछ अंतराल पर खराब हो गए जिसके चलते उड़ान पुल पर जाम लग गया तथा यातायात बाधित हो गया तथा बालाघाट की ओर तथा बालाघाट से गोंदिया शहर की ओर आने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम लगने पर यातायात पुलिस कर्मचारी पुलिया दोनों तरफ वह मध्य में पहुंचकर

यातायात को सुचारु किया।

वाहन की टक्कर में 2 व्यक्ति हुए घायल

गोंदिया-ग्रामीण थाने के तहत कटंगी/नागरा निवासी आरोपी दुकांष हरिचंद पारधी (34) ने अपनी मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 – एन 642 लापरवाहीपूर्वक चलाकर नागरा बस स्टैंड के आगे दो लोगों को टक्कर मार दी. जिसमें काटी/बिरसोला निवासी उषा प्रमोद सूर्यवंशी (40) व प्रमोद ब्रिजलाल सूर्यवंशी (46) घायल हो गए.

रावणवाड़ी में बनेगा नया उपविभागीय कार्यालय अब होंगे 2 उपविभाग

विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासो से 20 साल बाद बिजली वितरण विभाग में पहली बार बड़ा बदलाव

बुलंद गोंदिया। 1936 में जब गोंदिया में कार्यकारी अभियंता महावितरण का कार्यालय स्थापित किया गया, तो पूरे गोंदिया में विभिन्न स्थानों पर उपखंड बनाए गए। लेकिन एक ओर जहां बिजली की खपत और नागरिकों की समस्याएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर नए उपमंडल और शाखाएं नहीं बनाई गईं। ओवरलोड, बेमौसम बारिश, तूफानी हवा जैसी विभिन्न समस्याओं के कारण कई बार ट्रांसफार्मर होता और पूरा गांव दो-तीन दिनों तक अंधेरे में डुब जाता नागरिक इन समस्याओं को लेकर विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यालय पहुंचे। जिस पर विधायक ने ऊर्जा मंत्री से संपर्क कर नए उपमंडलों के निर्माण और एक शाखा के निर्माण का प्रस्ताव सौंपा.इसके क्रम में नये उपमंडल एवं नये शाखा के सृजन की स्वीकृति मिल गयी है तथा इन दोनों कार्यालयों में लगभग 24 पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति की जायेगी। पहले सूर्याटोला (गोंदिया ग्रामीण) में केवल एक उप-विभाग था, लेकिन अब रावणवाड़ी में उप-विभाग के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को लाभ होगा। इसमें मुख्य रूप से दासगांव, रावणवाड़ी, कामठा के नागरिकों को अधिक लाभ होगा। इसके अलावा मुर्री में नई शाखा की स्थापना से फुलचूर, हिवारा और मुर्री के नागरिकों को सबसे अधिक फायदा होगा।

मौजूदा ग्रामीण उप-विभाजन के तहत विभाजन के बाद, कुल तीन शाखा कार्यालय होंगे, अर्थात् गोंदिया ग्रामीण वितरण केंद्र -1, गोंदिया ग्रामीण वितरण केंद्र -2 और नई मुर्री शाखा। नवनिर्मित रावणवाड़ी उपकेंद्र के अंतर्गत तीन शाखा कार्यालय होंगे, अर्थात् रावणवाड़ी वितरण केंद्र, दासगांव वितरण केंद्र और कामठा वितरण केंद्र। सूर्टोयाला उपविभाग से दासगांव रावणवाड़ी कामठा क्षेत्र के नागरिकों को सेवा प्रदान करने के लिए नागरिकों को लगने वाले समय से आधे समय में सेवा प्रदान की जाएगी, किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज कराने के लिए गोंदिया आने की आवश्यकता नहीं होगी, ट्रांसफार्मर खराब होने की स्थिति में, पहले सिस्टम को सूर्याटोला से काम करना पड़ता था जो अब रावणवाड़ी शाखा से उपलब्ध होगा, मरम्मत की अवधि कम हो जाएगी, मुर्री में शाखा कार्यालय की स्थापना के साथ, कनिष्ठ अभियंता अपने कर्मचारियों के साथ सेवाएं प्रदान करेंगे फुलचुर हिवरा और मुरली के नागरिकों के लिए एक उप-विभागीय कार्यालय और एक शाखा कार्यालय खोलने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। बिजली चोरी और बिजली घाटे को कम करने में मदद मिलेगी,अधिकारियों और कर्मचारियों पर तनाव कम होगा ताकि सेवा वितरण में कोई देरी नहीं बिजली उपभोक्ताओं की पिछले कई वर्षों से बढ़ी समस्याओं से राहत। नागरिकों ने विधायक विनोद अग्रवाल का आभार जताया क्योंकि इन सभी बदलावों से नागरिकों को होने वाली बिजली की समस्या काफी कम हो जायेगी. विधायक विनोद अग्रवाल ने उनकी मांग की पुष्टि करते हुए इन दोनों कार्यालयों को तुरंत मंजूरी देने के लिए बिजली मंत्री और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के प्रति आभार व्यक्त किया है।

परिणय फुकेफ्र को हजारों लाडली बहनों ने बांधा प्यार का बंधन भाजपा महिला आघाडी का रक्षाबंधन कार्यक्रम

बुलंद गोंदिया। रक्षाबंधन के उपलक्ष्य पर भाजपा महिला मोर्चा आघाडी का गोंदिया शहर के पोवार बोर्डिंग सभागृह में आयोजित लाडले भैया परिणय फुके के कार्यक्रम में पहली बार ऐसा देखा गया जब बहनों का प्यार हजारों की संख्या में उमड़ पड़ा। पोवार बोर्डिंग के विशाल सभागृह में, कक्ष, परिसर में महिलाएं ही महिलाएं थी। बहनों के इस प्यार को देख भाई का फर्ज निभाते हुए डॉ. परिणय फुके ने भी उपहार देकर बहनों के साथ हर कदम पर खड़ा रहने का विश्वास जताया। हर बहन के लिए भाई ने दोनों हाथों को सामने लाकर प्यार का बंधन बंधवाया। जिले भर की हर तहसील से भाजपा महिला आघाडी मोर्चे की बहने उपस्थित रही। डॉ. परिणय फुके ने सभी बहनों का आशीर्वाद लिया, माताओं के पैर छुए, छोटी नन्ही बहनों से प्यार दुलार किया। डॉ. परिणय फुके को प्यार का बंधन बांधने भाजपा महिला आघाडी की लाडली बहनों के साथ ही वामा महिला संगठन व अनेक सामाजिक संगठन की लाडली बहनें भी उपस्थित रही। हर समाजवर्ग की बहनों को प्यार का बंधन बांधते हुए देखा गया। बहनों ने केक काटा, पुष्पहार पहनाया और प्यारे भैया की आरती कर पूजन भी किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में भाजपा महिला पदाधिकारीयों, कार्यकर्ता एवं लाडली बहनों की हजारों की संख्या में उपस्थिति रही।

पुलिस सिपाही पद का नियुक्ति पत्र लो पैसे दो जाली दस्तावेज, पुलिस वर्दी नेम प्लेट, सिल सिक्के सहित आरोपी हिरासत में डुग्गीपार पुलिस कि बड़ी सफलता

बुलंद गोंदिया। पुलिस भरती के शुरू होते ही अनेक दलाल पुलिस में नौकरी लगने के नाम पर लोगों को चूना लगाते हैं जबकि वर्तमान समय में पुलिस भर्ती निष्पक्ष वह पारदर्शी तरीके से होती है। औरंगाबाद पुलिस विभाग में नौकरी लगाकर नियुक्ति पत्र देने के नाम पर पैसे की मांग कर व लेने के मामले में विलास नारायण गणवीर उम्र 65 वर्षे किन्ही/मोखे, त. साकोली, ज़िला भंडारा को डुग्गीपार पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। जिसके पास से बोगस नियुक्ति पत्र दस्तावेज, पुलिस की वर्दी नेम प्लेट सिल सिक्के आदि जप्त किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डुग्गीपार पुलिस थाने में कार्यरत पुलिस हवलदार दीपक खोटेले को 23 अगस्त को गुप्त जानकारी मिली की खोडशिवनी रेलवे स्टेशन परिसर में एक व्यक्ति औरंगाबाद पुलिस दल में पुलिस सिपाही के पद में नौकरी लगने का लालच देकर उम्मीदवारों से पैसे लेकर उन्हें नियुक्ति पत्र देने वाला है। विश्वसनीय जानकारी प्राप्त होने पर इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को देकर सूचित किया गया जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देश व आदेश पर फरियादी वामनकुमार व्यंकटराव भुरे पालेवाडा की सहायता से पुलिस निरीक्षक मंगेश काड़े के नेतृत्व में पुलिस पथक द्वारा खोड़शिवनी रेलवे स्टेशन में जाल बिछाया गया तथा नौकरी के नाम धोखाधड़ी कर पैसे लेने वाले आरोपी विलास नारायण गणवीर उम्र 65 वर्ष निवासी किन्ही/मोखे, तहसील साकोली को संदेहास्पद दस्तावेजो के साथ हिरासत में लिया गया। जिसकी तलाशी लिए जाने पर उसके बैग में पुलिस अधिकारी की वर्दी, नकली नेम प्लेट, पुलिस अधिकारी के जालीं पहचान पत्र, औरंगाबाद पुलिस भरती के उम्मीदवार के प्रवेश पत्र, मुख्य वैदकिय अधिकारी औरंगाबाद, पुलिस अधीक्षक औरंगाबाद के नाम के सील सिक्के लगे कागज पत्र व विद्यार्थियों के स्कूल के मूल कागज पत्र, टीसी, मार्कशीट,

डोमिसाइल सर्टिफिकेट, कास्ट सर्टिफिकेट ,जात वैद्यता प्रमाण पत्र आदि प्राप्त हुए। उल्लेखनीय के आरोपी के खिलाफ इस प्रकार के मामले भंडारा, गोंदिया, चंद्रपुर जिले के विभिन्न पुलिस थानों में मामले भी दर्ज हैं। उपरोक्त मामले में फरियादी वामन कुमार वेंकटराव भुरे पालेवाडा निवासी की शिकायत पर आरोपी विलास गणवीर के खिलाफ डुग्गीपार पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 204, 205, 319(2), 318(4), 62, 336(3) के तहतमामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस हवलदार दीपक खोटो ले द्वारा की जा रही है। आरोपी को प्रथम श्रेणी न्यायालय सड़क अर्जुनी में पेश किया गया जहां उसे पुलिस कस्टडी में भेजा गया। इस कार्रवाई के दौरान नौकरी लगा कर देने के नाम पर धोखाधड़ी करने के वह अनेक उम्मीदवारों से पैसे लेने के मामले जांच के दौरान और भी सामने आने की संभावना है , पुलिस विभाग द्वारा आवाहन किया गया है कि इस प्रकार का प्रलोभन देने वाले धोखाधड़ी करने वाले लोगों से सावधान रहें तथा कोई भी व्यक्ति नौकरी लगाकर देने के नाम पर पैसे की मांग करता है तो उसकी शिकायत दर्ज करवाया उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक नित्यानंद झा के आदेश अनुसार उपविभागीय पुलिस अधिकारी देवरी विवेक पाटील के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक मंगेश काड़े स.पो.नि. प्रमोद बांबोळे, पोहवा दिपक खोटेले, पोहवा घनश्याम उईके, पोना. महेंद्र चौधरी, पोना. घनश्याम मुळे द्वारा की गई। डुग्गीपार पुलिस की कार्यवाही का वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सराहना की गई।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर गोंदिया शहर के मंदिरों व पंडालो में विराजित श्री कृष्ण के बाल स्वरूप व प्रतिमाओं की आकर्षक झांकियां व भव्य दर्शन

श्री अग्रसेन भवन में लड्डु गोपाल की झूले में भव्य झांकी

श्री मारवाड़ी युवक मंडल जिया मंदिर में जन्माष्टमी के अवसर पर झूले में बालकृष्ण

श्री जगदंबा धाम दुर्गा चौक जगदंबा मंदिर में भगवान श्री कृष्ण की बाल स्वरूप की भव्य झांकी

झिरिया मंदिर गोंदिया में नंदलाला की आकर्षक प्रतिमा

श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर अग्रसेन भवन जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान की भव्यआकर्षक सजावट

श्री ब्रह्मबाड़ी अंबा धाम गोंदिया में जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्री कृष्ण की बाल स्वरूप में भव्य झांकी

श्री कान्हा उत्सव मंडल कृष्णपुरा वार्ड में भगवान कृष्ण की भव्य आकर्षक प्रतिमा वर्ष 17

श्री जागृति सेवा मंडल रेलटोली गोंदिया में भगवान श्री कृष्ण की आकर्षक प्रतिमा वर्ष 18

बाबा रामदेव मंदिर रामदेवरा रेल टोली में जन्माष्टमी के अवसर पर बाबा का भव्य श्रृंगार

श्री हनुमान मंदिर सिविल लाइन में जन्माष्टमी के अवसर पर बाल कृष्ण का झूले में श्रृंगार वह छप्पन भोग

बहनों की सुरक्षा के साथ-साथ, उनकी सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक प्रगती के लिए करेंगे निरंतर प्रयत्न- पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

» गोंदिया शहर व ग्रामीण बहनों का रक्षाबंधन उत्सव संपन्न

बुलंद गोंदिया। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर गोंदिया जिला, शहर एवंम ग्रामीण बहनों का रक्षाबंधन उत्सव पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल श्रीमती उमादेवी गोपालदास अग्रवाल की प्रमुख उपस्थिती में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल को हजारों की संख्या में उपस्थित बहनों ने, राखी बांधकर यह पर्व मनाया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए, पुर्व प.स सभापति माधुरीबाई हरिणखेडे ने सभी उपस्थित महिलाओं का भव्य रक्षाबंधन उत्सव में स्वागत कर, इतनी बड़ी संख्या में उपस्थिती के लिये आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि, गोपालदास अग्रवाल हम सभी बहनों के नेता के साथ-साथ हमारे बड़े भाई है और बड़ा भाई होने के नाते वे हमेशा हम सभी बहनों के साथ खड़े रहते है। आज रक्षाबंधन के पावन अवसर पर हम उन्हें राखी बांधकर यह महापर्व मनाने जा रहे है। पुर्व प.स सभापति माधुरीबाई हरिणखेडे, जिप सभापति सविता पुराम एवंम पुर्व पार्षद निर्मलाताई मिश्रा ने भी उपस्थितों को संबोधित किया। इस अवसर पर उपस्थित बहनों को, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा की, जिस प्रकार भाई-बहन जीवनभर एक-दुसरे की अड़चनों में नि:स्वार्थ खड़े रहेने का कार्य करते है, जीवन की हर लड़ाई में बहनों ने भी हमेशा साथ खड़े रहकर हर मुश्किल में साथ दिया है, जिसके लिए वे हमेशा उनके ऋणी रहेंगे और हर बहन के साथ अड़चन के वक्त खड़े रहने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर उन्होंने सभी महिला संगठन कार्यकर्ताओं को राखी के पर्व की अनंत शुभकामनाएं दी। उन्होंने आगे कहा कि आज देश में महिलाओं को सक्रिय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान मिल रहा है। देश में राष्ट्रपती के सर्वोच्च पद पर महिला श्रीमती प्रतिभाताई पाटील-वर्तमान राष्ट्रपती दौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री पद पर स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी आसीन हुई है। वहीं स्थानीय स्वराज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत का आरक्षण प्राप्त है। लोकसभा-विधानसभाओं में भी महिलाओं को आरक्षण देने के दिशा में देश बढ़ रहा है। देश में महिला बचतगटों की संकल्पना कर उन्हें प्रशिक्षण देकर व्यवसाय की ओर प्रेरित किया जा रहा है। देश में चाहे भाजपा की सरकार हो या कॉग्रेस की सरकार, सभी की नीतियों में महिला सशक्तिकरण को प्राधान्यता है। महिलाओं के इस जागृती-सशक्तीकरण अभियान को और गती देने हेतु, हम गोंदिया में जल्द ही महिला बचतगट समुहों के लिए भव्य बचतगट एवम् महिला सशक्तीकरण भवन का निर्माण करायेंगे। जहां बचतगटों की महिलाओं को लघु उद्योग के लिये विशेष प्रशिक्षण दिया जायेगा, वहीं बचतगटों द्वारा निर्मित उत्पादों के लिये बाजार उपलब्ध होंगा। गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के हर गांव में हमारी बहनों के लिये भव्य महिला बचतगट भवन के निर्माण की 2019 में शुरुवात की थी और हर्ष की बात है कि, आधे ग्रामों में अब बचतगटों के लिये भवन निर्मीत हो चुका है। महिलाओं के सामाजिक, राजनैतिक और आर्थिक प्रगती में हर संभव प्रयत्न निरंतर किए जाएंगे, ऐसे उद्?गार पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल ने व्यक्त किये। महावीर मारवाडी स्कूल के छात्रों व युवा पर्व के सदस्यों के गायन-नृत्य प्रस्तुती ने बांधा समा कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के हस्ते दिप प्रज्जवल, महावीर मारवाडी स्कुल के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना एवंम स्वागत गीत की संगीतमय प्रस्तुती के साथ संपन्न हुआ। उपरांत युवा पर्व संघटना के सदस्यों द्वारा भव्य विठ्ठल-रुकमणी नाट्य एवंम छात्रों के भव्य नृत्य की प्रस्तुत ने कार्यक्रम का समा बांधा। संपुर्ण वातावरण में अलौकिक-आध्यात्म और भव्य महोत्सव की अनुभुती हुई। कार्यक्रम में प्रमुख रुप से पुर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती उमादेवी अग्रवाल, स्वाती विशाल अग्रवाल, भावनाताई कदम, माधुरीबाई हरिणखेडे, शहर अध्यक्ष निर्मलाताई मिश्रा, धर्मिष्ठा शेंगर, शालिनी डोंगरे, शुभा

भारद्वाज, मौसमीभालाधरे, मौसमी सोनछात्रा, सुंदरबाई कनोजिया, अनुपमा पटले, शिलु राकेश ठाकुर, दिपीका देवा रुसे, आशा जैन, सुरेखा चौव्हान, ईशा गौतम, स्नेहा गौतम, सुनिता दिहारी, कलाबाई भेंडारकर, तोमेश्वरी कटरे, निता पटले, कटंगी सरपंच मोहिनी वडे, रोहिनी रहांगडाले,अनिता मेश्राम, लक्ष्मी तरोणे, गितेश्वरी बिसेन, बबली चौधरी, सुनिता हेमने, प्रमिला सिंद्रामे, चेतना पराते, रजनीताई, लक्ष्मी निविकार, कुंदाई चंद्रीकापुरे, प्रकृति शर्मा, आरेफय खान,शालीनी चौव्हाण, रेखा जमकर, पद्मा उके, सुनिता सोनवाने, सावित्री गेडाम, हेमलता मेश्राम, शोभा धमगाये, अनिता जैसवाल, प्रियंका जैसवाल, सुनिता दुबे, प्रेरणा दुबे, मिठु पोद्दार, विशाखा वासनिक, शकुन्तला बाभरे, मिताली मोटघरे, रेखा निमकर, सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ता उपस्थित थी।

मुख्यमंत्री वयोश्री योजना के लिए आवेदन जमा करने का आह्वान

गोंदिया जिले में 594 आवेदन प्राप्त हुए

बुलंद गोंदिया। राज्य सरकार ने 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों की मदद के लिए मुख्यमंत्री वयोश्री योजना शुरू की है। इस योजना के तहत लाभार्थियों के खाते में एकमुश्त 3000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। डॉ. सिद्धार्थ गायकवाड, क्षेत्रीय उपायुक्त, समाज कल्याण विभाग, नागपुर ने अधिक से अधिक पात्र वरिष्ठ नागरिकों से इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत आवेदन करने की अपील की है। इस योजना के तहत नागपुर मंडल में कुल 66898 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से नागपुर जिले में 6559, वर्धा जिले में 6050, भंडारा जिले में 14995, गोंदिया जिले में 594, चंद्रपुर जिले में 12165 और गढ़चिरौली जिले में 26535 आवेदन प्राप्त हुए हैं। वरिष्ठ नागरिकों को उनके दैनिक जीवन में सामान्य स्थिति में रहने के लिए आवश्यक सहायता/उपकरण खरीदने तथा विकलांगता, उम्र के कारण होने वाली दुर्बलता के लिए उपाय करने तथा जागरूकता एवं प्रशिक्षण हेतु इस योजना के अंतर्गत लाभार्थी को 3 हजार रुपये की एकमुश्त बचत होती है। मानसिक स्वास्थ्य केंद्र, योग चिकित्सा केंद्र आदि के माध्यम से उनके मानसिक स्वास्थ्य को बरकरार रखा जाता है। सीधे खाते में भुगतान किया जाता है। मुख्यमंत्री वयोश्री योजना के तहत पात्र वरिष्ठ लाभार्थी अपनी शारीरिक विकलांगता/कमजोरी के अनुसार चश्मा, श्रवण यंत्र, तिपाई, छड़ी, व्हील चेयर, फोल्डिंग वॉकर, कमोड कुर्सी, घुटने के ब्रेस, लम्बर बेल्ट, सर्वाइकल कॉलर खरीद सकते हैं। वे राज्य सरकार द्वारा पंजीकृत योग उपचार केंद्र, मानसिक स्वास्थ्य केंद्र, मानसिक शक्ति केंद्र, प्रशिक्षण केंद्रों में भाग ले सकेंगे। वरिष्ठ नागरिक जो 31 दिसंबर 2023 को 65 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं और जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय दो लाख रुपये से कम है, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना के तहत लाभार्थियों के चयन, योजना के कार्यान्वयन और निगरानी के उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कलेक्टर और शहरी क्षेत्रों के लिए

नगर निगम आयुक्त की अध्यक्षता में समितियों का गठन किया गया है। इस संबंध में प्रत्येक जिले में कार्यशाला एवं शिविरों का आयोजन किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक लाभार्थियों को इसका लाभ मिल सके। इस योजना का लाभ उठाने के लिए आधार कार्ड, वोटिंग कार्ड, राष्ट्रीयकृत बैंक पासबुक, 2 पासपोर्ट साइज फोटो, स्व-घोषणा आदि दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। अधिक जानकारी के लिए संबंधित जिले के सहायक आयुक्त, समाज कल्याण कार्यालयों, सरकारी छात्रावासों और सरकारी आवासीय विद्यालय कार्यालयों से संपर्क करें। पात्र वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन पत्र भरकर उक्त कार्यालय में जमा करने की सुविधा प्रदान की गई है। क्षेत्रीय उपायुक्त, समाज कल्याण विभाग, नागपुर डॉ. ने अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ उठायें. इसे सिद्धार्थ गायकवाड़ ने किया है।

सिक्के लेने से कर रहे इंकार

तिरोड़ा-एक व 2 रु. के सिक्कों को लेकर परेशानी बढ़ गई है. दूकानदार व बैंक यह सिक्के लेने में मना कर रहे हैं. उसे लेकर ग्राहक-दूकानदार के बीच व बैंक कर्मियों से विवाद होने लगता है. बैंक और व्यापारी सिक्के को स्वीकार करने से इंकार कर रहे हैं. जिससे गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले ग्राहकों को वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. मजदूर, ठेकेदार, व्यापारी, किसान मजदूरों को नोट के बदले सिक्के दिए जाते हैं. मजदूर वर्ग के साथ-साथ कर्मचारी जरूरी सामान लेने के लिए चिल्लर एक, दो, पांच, दस रु. का सिक्का देने की कोशिश करते हैं. लेकिन 1 व 2 रु. के सिक्के लेने से इंकार कर देते हैं.

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया-४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र.९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।